RAJASTHAN JUDICIAL SERVICE MAINS EXAMINATION – MOCK TEST

Total Pages- 30

CODE NO.
Not to be filled by the Candidate
(अभ्यर्थी द्वारा नहीं भरा जाये)

Time: 3 Hours **Maximum Marks: 100**

IMPORTANT INSTRUCTIONS / महत्वपूर्ण निर्देश

1 Write the required particulars only on the flap provided on the top of **"Question Paper-cum-Answer Book";** and not at any other place. / अपेक्षित विवरण केवल प्रश्न पत्र-सह-उत्तर पुस्तिकां के ऊपर दिये गये फ्लेप पर ही लिखें, अन्य किसी स्थान पर नहीं।

2 Do not write any mark of identity inside the "Question Paper-cum-Answer Book" (including paper for rough work) i.e. Roll No., Name, Address, Mobile No./Telephone No., Name of God etc. or any irrelevant word other than the answer of question. Such act will be treated as unfair means. In such a case his candidature shall be rejected for the entire examination. / प्रश्न पत्र-सह-उत्तर पुस्तिका (रफ कार्य के पृष्ठ सहित) के अन्दर कहीं पर भी कोई पहचान चिन्ह यथा, रोल नम्बर, नाम, पता, मोबाईल नम्बर/टेलीफोन नम्बर. देवताओं के नाम अथवा प्रश्न के उत्तर से असम्बधित कोई भी शब्द, वाक्य एवं अंक लिखे जाने या अंकित किये जाने को अनुचित साधनों का उपयोग माना जायेगा। ऐसा पाये जाने पर अभ्यर्थी की सम्पूर्ण परीक्षा में अभ्यर्थिता रदद कर दी जायेगी।

3. A candidate found creating disturbance at the examination center or misbehaving with Invigilating Staff or cheating will render him liable for disqualification. He shall also be liable for penal action under The Rajasthan Public Examination (Prevention of Unfair Means) Act, 1992. / यदि कोई अभ्यर्थी परीक्षा केन्दु पर व्यवधान उत्पन्न करता है या वीक्षण स्टाफ के साथ दुर्यवहार करता है अथवा वंचनापूर्ण कार्य करता है तो वह स्वयं ही अयोग्यता के लिए उत्तरदायी होगा। वह राजस्थान सार्वजनिक परीक्षा (अनुचित साधनों की रोकथाम) अधिनियम, 1992 के तहत दाण्डिक कार्यवाही हेतु भी उत्तरदायी माना जायेगा।

4. The number of questions and their marks are indicated in the "Question Paper-cum-Answer Book". / प्रश्नों की संख्या और उनके अंक प्रश्न पत्र-सह-उत्तर पुस्तिका में अंकित किये गये हैं।

5. The answers of the questions should strictly be written in the space provided below question and not elsewhere, otherwise, such answer shall not be assessed by the examiner. / प्रश्नों के उत्तर निरपवाद रूप से प्रश्न पत्र-सह-उत्तर पुस्तिका में प्रत्येक प्रश्न के नीचे दिये गये स्थान पर ही लिखें, कहीं और नहीं, अन्यथा ऐसे उत्तर का मूल्यांकन परीक्षक द्वारा नहीं किया जायेगा।

6. The candidate should write the answers in the provided space. No Supplementary Answer Book shall be provided in any case. / अभ्यर्थी उत्तर निर्धारित जगह में ही लिखें। किसी भी परिस्थिति में पूरक उत्तर पुस्तिका नहीं दी जायेगी।

7. Specify an option of language Hindi or English, by ticking ☑ checkmark in box of "**Medium of Answer**" on the flap and answer in the same opted language. / प्लेप पर "**उत्तर के माध्यम**" के चौखाने में भाषा हिन्दी अथवा अंग्रेजी में से एक विकल्प को ☑ द्वारा चिन्हित करें तथा उत्तर उसी चयनित भाषा में दीजिये।

8. In any question, if there is any discrepancy in English & Hindi versions, the English version is to be treated as standard. / किसी प्रश्न में अंग्रेजी व हिन्दी भाषान्तर में कोई अन्तर हो, तो अंग्रेजी भाषान्तर को प्रमाणिक माना जाये।

9. In case the "Question Paper-cum-Answer Book" is torn or not printed properly, bring it to the notice of Invigilator for change or direction, at earliest otherwise the candidate will be liable for that. / यदि प्रश्न पत्र-सह-उत्तर पुस्तिका कहीं से कटी-फटी या अमुद्धित है, तो शीघ्रताशीघ्र वीक्षक से कह कर उसे बदलवा लें या वीक्षक के ध्यान में ला दें, अन्यथा उसका दायित्व अभ्यर्थी का होगा।

10. Possession of any type of electronic device is strictly prohibited in the Examination Hall. / परीक्षा कक्ष में किसी भी प्रकार के इलेक्ट्रॉनिक संयंत्र के साथ प्रवेश करना सर्वथा वर्जित है।

Linking Laws
Link the Life with Law
All Judiciary Exam

Question 01 **[03 Marks]**

Explain the principle of res sub judice.

न्यायालय में विचाराधीन मामले (रेस सब जुडिस) के सिद्धांत की व्याख्या करें।

Linking Laws
"Link the Life with Law"
All Judiciary Exam

Question 02 **[05 Marks]**

A is charged under section 325 of the Indian penal code with causing grievous hurt. He proves that he acted on grave an sudden provocation.

Explain which section applies to current situation and why?

A पर भारतीय दंड संहिता की धारा 325 के तहत घोर उपहती कारित करने का आरोप लगाया गया है। वह साबित करता है कि उसने गंभीर अचानक प्रकोपन पर कार्रवाई की। बताएं कि कौन सी धारा वर्तमान स्थिति पर लागू होती है और क्यों?

Linking Laws
"Link the Life with Law"
All Judiciary Exam

Question 03 **[03 Marks]**

Common intention v/s Common object

सामान्य आशय बनाम सामान्य उद्देश्य

Question 04 **[05 Marks]**

A and B are joint jailors, and as such have the charge of Z, a prisoner, alternatively for six hours at a time. A and B, intending to cause Z's death, knowingly co-operate in causing that effect by illegally omitting, each during the time of his attendance, to furnish Z with food supplied to them for that purpose. Z dies of hunger. Explain the applicable provisions and state which offence are A and B guilty of.

A और B संयुक्त जेलर हैं, और इस तरह उनके पास वैकल्पिक रूप से एक समय में छह घंटे के लिए एक कैदी Z का प्रभार है। A और B, X की मृत्यु कारित करने का आशय रखते हुए, अपनी उपस्थिति के समय के दौरान, जानबूझकर उस प्रभाव को पैदा करने में सहयोग करते हुए, प्रत्येक उस उद्देश्य के लिए उन्हें आपूर्ति किए गए भोजन के साथ Z को प्रदान करने में अवैध रूप से चूक करते हैं। Z भूख से मर जाता हैं। लागू प्रावधानों को स्पष्ट करें और बताएं कि A और B किस अपराध के दोषी हैं।

Linking Laws
"Link the Life with Law"
All Judiciary Exam

Linking Laws
"Link the Life with Law"
All Judiciary Exam

Question 05 **[06 Marks]**

Discuss the provisions of Code of criminal procedure regarding the issuance of proclamation of offender. What is difference between proclaimed person and proclaimed offender.

अपराधी की उद्घोषणा जारी करने के संबंध में दंड प्रक्रिया संहिता के प्रावधानों पर चर्चा करें। उद्घोषित व्यक्ति और उद्घोषित अपराधी के बीच क्या अंतर है?

Linking Laws
"Link the Life with Law"
All Judiciary Exam

Question 06 **[03 Marks]**

State any 10 Directive principle of state policy under constitution of India

भारत के संविधान के अंतर्गत राज्य के कोई 10 नीति निर्देशक सिद्धांत बताइये।

Linking Laws
"Link the Life with Law"
All Judiciary Exam

Question 07 **[06 Marks]**

Write the composition of Juvenile justice board. Also prescribed its procedure to deal with child in conflict with law.

किशोर न्याय बोर्ड की संरचना लिखिए। कानून का उल्लंघन करने वाले बच्चे से निपटने के लिए इसकी प्रक्रिया भी निर्धारित की गई है।

Linking Laws
"Link the Life with Law"
All Judiciary Exam

Linking Laws
"Link the Life with Law"
All Judiciary Exam

Question 08 **[04 Marks]**

Who is a lessor? Write the rights of a lessor?

पट्टा कर्ता कौन है? पट्टा कर्ता के अधिकार लिखें?

Linking Laws
"Link the Life with Law"
All Judiciary Exam

Question 09 **[03 Marks]**

Explain the Doctrine of Harmonious construction. & Its Applicability?

सामंजस्यपूर्ण निर्वचन के सिद्धांत की व्याख्या करें। और इसकी प्रयोज्यता?

Question 10 **[04 Marks]**

In what circumstances the property of person absconding can be attached under Code of Criminal procedure?

दंड प्रक्रिया संहिता के तहत किन परिस्थितियों में फरार व्यक्ति की संपत्ति कुर्क की जा सकती है?

Linking Laws
"Link the Life with Law"
All Judiciary Exam

Question 11 **[05 Marks]**

Explain the essential ingredients of valid contract.

वैध संविदा के आवश्यक तत्वों को समझाइये।

Linking Laws
"Link the Life with Law"
All Judiciary Exam

Question 12 **[08 Marks]**

What are the consequence of absconding to avoid service of summons or other proceeding under Indian penal code?

भारतीय दंड संहिता के तहत समन की तामील या अन्य कार्यवाही से बचने के लिए फरार रहने के क्या परिणाम होते हैं?

Linking Laws
"Link the Life with Law"
All Judiciary Exam

Linking Laws
"Link the Life with Law"
All Judiciary Exam

Linking Laws
"Link the Life with Law"
All Judiciary Exam

Question 13 **[06 Marks]**

Write the manner of execution of a decree under code of civil procedure. What provision regarding Execution may be applier mutadis mutandis for any order before judgment.

सिविल प्रक्रिया संहिता के अंतर्गत डिक्री के निष्पादन की विधि लिखिए। निष्पादन के संबंध में कौन सा प्रावधान निर्णय से पहले किसी भी आदेश के लिए यथोचित परिवर्तनों के साथ लागू हो सकता है।

Linking Laws
"Link the Life with Law"
All Judiciary Exam

Question 14 **[02 Marks]**

Who can institute a suit on behalf of a aggrieved person under the age of 18 years under section 198 of code of criminal procedure?

दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 198 के तहत 18 वर्ष से कम आयु के पीड़ित व्यक्ति की ओर से कौन वाद संस्थित कर सकता है?

Question 15 **[05 Marks]**

Briefly discuss the scope of High Court's power of review under the Code of Civil Procedure, 1908 (the code').

सिविल प्रक्रिया संहिता, 1908 (संहिता') के तहत उच्च न्यायालय की पुनर्विलोकन की शक्ति के दायरे पर संक्षेप में चर्चा करें।

Linking Laws
"Link the Life with Law"

Question 16 **[05 Marks]**

State the consequences if magistrate not empowered by law issues a search warrant under section 94. & List out five irregulates of such nature?

यदि मजिस्ट्रेट विधि द्वारा सशक्त नहीं है तो धारा 94 के तहत तलाशी वारंट जारी करता है तो परिणाम बताएं। और ऐसी प्रकृति के पांच अनियमितों की सूची बनाएं?

Linking Laws
"Link the Life with Law"
All Judiciary Exam

Question 17 **[06 Marks]**

Write the types of summons that can be issued under Code of civil procedure to defendant & to witness? Also explain subsequent effect of such summon?

सिविल प्रक्रिया संहिता के अंतर्गत जारी किये जा सकने वाले समन के प्रकार लिखिए जो प्रतिवादी और गवाह को जारी किए जा सकते हैं? ऐसे सम्मन के बाद के प्रभाव को भी स्पष्ट करें?

Linking Laws
"Link the Life with Law"
All Judiciary Exam

Linking Laws
"Link the Life with Law"
All Judiciary Exam

Question 18 **[04 Marks]**

The law presumes that every person committing a crime is sane and liable for his acts. Section 84 Indian penal code carves an exception. Explain

विधि मानती है कि अपराध करने वाला प्रत्येक व्यक्ति समझदार है और अपने कृत्यों के लिए उत्तरदायी है। भारतीय दंड संहिता की धारा 84 में एक अपवाद दिया गया है। व्याख्या करें।

Linking Laws
"Link the Life with Law"
All Judiciary Exam

Question 19 **[06 Marks]**

In the state of Kerala, the person who is accused, did not close his shop on the day of all India strike, "Bharat Bandh", he owns a flour mill. The activists entered the mill forcefully and demanded closure; they were armed with sharp objects as weapons.

They threatened to assault the person(x) and were attempted to attack to which the accused, X fired shots and killing two persons and injuring some innocent persons as well in such a shoot. His property, the flour mill, was set on fire. When the matter was taken to the court, both Trial Court and High Court held the appellant exceeded the right of private defence and was convicted for the same. Aggrieved by the judgment, an appeal by special leave was made in Supreme Court.

Whether X exceeded the right of private defence?

केरल राज्य में, जिस व्यक्ति पर आरोप है, उसने अखिल भारतीय हड़ताल, "भारत बंद" के दिन अपनी दुकान बंद नहीं की, वह एक आटा मिल का मालिक है। कार्यकर्ता जबरदस्ती मिल में घुस गये और बंद करने की मांग करने लगे; वे हथियार के रूप में धारदार वस्तुओं से सज्जित थे।

उन्होंने व्यक्ति(x) पर हमला करने की धमकी दी और उन पर हमला करने का प्रयास किया गया, जिस पर आरोपी, X ने गोलियां चलाईं और दो व्यक्तियों की हत्या कर दी और कुछ निर्दोष व्यक्तियों को भी घायल कर दिया। उनकी संपत्ति, आटा मिल, को आग लगा दी गई। जब मामला न्यायालय में ले जाया गया, तो विचारण न्यायालय और उच्च न्यायालय दोनों ने माना कि अपीलकर्ता ने प्राईवेट प्रतिरक्षा के अधिकार का उल्लंघन किया और उसे इसके लिए दोषी ठहराया गया। फैसले से व्यथित होकर

सर्वोच्च न्यायालय में विशेष अनुमति द्वारा अपील की गई।
क्या X ने प्राईवेट प्रतिरक्षा के अधिकार का उल्लंघन किया है?

Linking Laws
Link the Life with Law
All Judiciary Exam

_____

_____

_____

_____

_____

_____

_____

Question 20 **[10 Marks]**

Read the following facts carefully and write judgment after framing necessary issues/ निम्नलिखित का सावधानी से पठन करें और आवश्यक वादपद बनाकर निर्णय लिखिए-

The plaintiff Ramesh Sahu, resident of Pratap Nager Jaipur filed a suit against the defendant Suresh for specific performance of contract. According to plaintiff, defendant is owner of plot number 304 at Pratap Nager measuring 205 square meter for which the defendant Suresh entered into agreement of sale on 1-7-2015 for consideration of rupees 10 lakhs. It is claimed by the plaintiff that a sum of rupees 5 lacs was paid on the date of agreement as advance and remaining amount of rupees 5 lakhs was to be paid up to October 2015. The agreement of sale was registered on the same day. The plaintiff paid remaining amount of rupees 5 lacs through a bank draft on October 3, 2015. On demand of execution of sale deed by plaintiff, the defendant refused for execution and offer to return the sum of rupees 10 lakhs received from plaintiff for which plaintiff did not agree. Plaintiff sent a legal notice to defendant through his advocate Dinesh Kumar which was returned with "Refused to Accept" note.

वादी रमेश साहू निवासी प्रताप नगर जयपुर ने प्रतिवादी सुरेश के विरुद्ध संविदा के विनिर्दिष्ट पालन के लिए वाद दायर किया। वादी के अनुसार, प्रतिवादी प्रताप नगर में 205 वर्ग मीटर के भूखंड संख्या 304 का मालिक है, जिसके लिए प्रतिवादी सुरेश ने 1-7-2015 को 10 लाख रुपये के लिए विक्रय का करार किया। वादी द्वारा दावा किया गया है कि करार की तिथि पर 5 लाख रुपये की राशि का भुगतान अग्रिम के रूप में किया गया था और शेष 5 लाख रुपये की राशि अक्टूबर 2015 तक भुगतान की जानी थी। विक्रय का करार उसी दिन पंजीकृत किया गया था। वादी ने 3 अक्टूबर, 2015 को बैंक ड्राफ्ट के माध्यम से शेष 5 लाख रुपये का भुगतान किया। वादी द्वारा विक्रय विलेख के निष्पादन की मांग पर, प्रतिवादी ने निष्पादन से इनकार कर दिया और वादी से प्राप्त 10 लाख रुपये की राशि वापस करने की पेशकश की, जिसके लिए वादी सहमत नहीं था। वादी ने अपने अधिवक्ता दिनेश कुमार के माध्यम से प्रतिवादी को एक विधिक नोटिस भेजा, जिसे "स्वीकार करने से इंकार" नोट के साथ वापस कर दिया गया।

The plaintiff produced agreement of sale dated 1-7-2015 (Ex. P-1), said to be executed by defendant. In addition, the plaintiff has also produced a photocopy of bank draft of rupees 5 lacs dated 3-10-2015 as (Ex. P-2). The plaintiff has also produced a copy of legal notice sent by his advocate Dinesh Kumar as (Ex. P-3). The defendant has accepted the receipt of rupees 5 lakhs as advance and another 5 lakhs as second installment but refused the receipt of any legal notice. In addition the defendant has also argued that the property agreed to be sold is ancestral property in which his 2 adult sons also have the right and they are refusing to sell the property. Hence, under the changed circumstances, it is not possible to enforce specific performance of contract. Hence the suit is liable to be dismissed. The defendant has reiterated that he is agreed to return the amount of 10 lakhs received by him.

वादी ने दिनांक 1-7-2015 (Ex. P-1) का विक्रय करार प्रस्तुत किया, जिसे प्रतिवादी द्वारा निष्पादित किया जाना कहा जाता है। इसके अलावा, वादी ने 3-10-2015 के रूप में 5 लाख रुपये के बैंक ड्राफ्ट की एक प्रति भी पेश की है (Ex. P-2)। वादी ने अपने अधिवक्ता दिनेश कुमार द्वारा (Ex.P-3) के रूप में भेजे गए विधिक नोटिस की एक प्रति भी प्रस्तुत की है। प्रतिवादी ने अग्रिम के रूप में 5 लाख रुपये और दूसरी किस्त के रूप में 5 लाख रुपये की प्राप्ति स्वीकार की है लेकिन किसी भी विधिक नोटिस की प्राप्ति से इनकार कर दिया है। इसके अलावा प्रतिवादी ने यह भी तर्क दिया है कि बेची जाने वाली संपत्ति पैतृक संपत्ति है जिसमें उसके 2 वयस्क पुत्रों का भी अधिकार है और वे संपत्ति बेचने से इनकार कर रहे हैं। इसलिए, बदली हुई परिस्थितियों में, संविदा का विनिर्दिष्ट पालन करना संभव नहीं है। अतः वाद खारिज किये जाने योग्य है। प्रतिवादी ने दोहराया है कि वह उसके द्वारा प्राप्त 10 लाख की राशि वापस करने के लिए सहमत है।

Linking Laws
"Link the Life with Law"
All Judiciary Exam

Linking Laws
"Link the Life with Law"
All Judiciary Exam

Linking Laws
"Link the Life with Law"
All Judiciary Exam

LAW
Linking Laws
"Link the Life with Law"
All Judiciary Exam

Rough work

Linking Laws
"Link the Life with Law"
All Judiciary Exam

रफ कार्य

Linking Laws
"Link the Life with Law"
All Judiciary Exam